प्रोजेक्ट चीता को इनोवेटिव इनिशिएटिव पुरस्कार मिला

चर्चा में क्यों?

प्रोजेक्ट चीता को तीसरे **इको वॉरियर अवार्ड्स** में प्रतिष्ठित '**इनोवेटिव इनिशिएटिव पुरस्कार**' से सम्मानित किया गया है, जिसका आयोजन दिल्ली में भारतीय वन सेवा (IFS) एसोसिएशन और **इंडियन मास्टरमाइंड** द्वारा किया गया था।

- यह पुरस्कार प्रोजेक्ट चीता के फील्ड डायरेक्टर **उत्तम शर्मा** को प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - **इको वॉरियर अवार्ड्स** का उद्देश्य **संरक्षण** और सतत् विकास में असाधारण प्रयासों को मान्यता देना है।
  - **IFS एसोसिएशन** द्वारा विशेष रूप से भारत में एक विलुप्त प्रजाति को पुनर्जीवित करने में उल्लेखनीय उपलब्धि और परियोजना की सफलता में **स्थानीय समुदायों को शामिल करने की प्रतिबद्धता के लिये प्रोजेक्ट चीता** को चुना गया।
- **समाचार-पत्रिका:**
  - परियोजना की तीसरी वर्षगाँठ पर वन विभाग ने एक विशेष **समाचार-पत्रिका** जारी किया, जिसमें वर्ष 2022 में कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पहले चीतों के आगमन से लेकर शावकों के सफल जन्म और चल रहे आवास प्रबंधन प्रयासों तक प्रोजेक्ट चीता की यात्रा को रेखांकित किया गया।

प्रोजेक्ट चीता

- **परिचय:** वर्ष 2022 में प्रोजेक्ट चीता (चीता पुनः वापसी परियोजना) शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य **वैश्विक चीता संरक्षण** प्रयासों के हिस्से के रूप में भारत में चीतों (जिन्हें वर्ष **1952 में विलुप्त** घोषित किया गया था) को पुनः बसाना है।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA), **मध्य प्रदेश वन विभाग** तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) द्वारा इस परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- **क्रियान्वयन प्रक्रिया:**
  - चरण-1 में नामीबिया (वर्ष 2022) और दक्षिण अफ्रीका (वर्ष 2023) से चीतों को मध्य प्रदेश के **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया गया।
  - परियोजना के दूसरे चरण में भारत, समान आवासीय परिस्थितियों को देखते हुए, **केन्या से** चीता लाने पर विचार कर रहा है।
    - इन चीतों को **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश) में स्थानांतरित किया जाएगा।

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*

एशियाई चीता

- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/project-cheetah-receives-innovative-initiative-award